संरचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evaluation) →

जब कोई भी शैक्षिक योजना अपनी प्रारम्भिक या निर्माणावस्था में हो और उसका मूल्यांकन कर उसमें सुधार किया जा सके तो इस प्रकार के मूल्यांकन को संरचनात्मक मूल्यांकन कहते हैं। किसी भी शैक्षिक योजना का मूल्यांकन जब उसकी प्रभावशीलता, गुणवत्ता या उपयोगिता को बढ़ाने के लिए किया जाता है तो वह वह संरचनात्मक मूल्यांकन कहलाता है। इस विवरण से स्पष्ट हो जाता है कि किसी भी शैक्षिक योजना को अन्तिम रूप देने से पूर्व उसका मूल्यांकन कर उसमें सुधार करने की प्रक्रिया को ही संरचनात्मक मूल्यांकन कहकर पुकारते हैं। उदाहरणार्थ यदि किसी शोध योजना के प्रथम प्रारूप का मूल्यांकन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि उसे प्रस्तुत करने और उस पर क्रियान्वयन करने से पूर्व उसमें वांछित सुधार कर उसे अधिक प्रभावशाली बनाया जाये तो इस प्रकार के मूल्यांकन को हम संरचनात्मक मूल्यांकन कहते हैं तथा मूल्यांकन की यह भूमिका संरचनात्मक भूमिका कहलाती है। संरचनात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने वाले व्यक्ति को उसके द्वारा तैयार की गई योजना की कमियों को इंगित करना तथा उसमें सुधार के उपाय बताना होता है।

Scanned with CamScanner

Date
Page

योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evaluation) *

किसी शैक्षिक कार्यक्रम को अन्तिम रूप देने को एवं उसे चालू कर देने के बाद उसकी दीर्घावधि उपयोगिता को ज्ञात करने के लिये किया गया मूल्यांकन योगात्मक मूल्यांकन कहलाता है। इस प्रकार के मूल्यांकन का उद्देश्य यह ज्ञात करना होता है कि उस कार्यक्रम को चालू रखा जाए या नहीं स्पष्टता योगात्मक मूल्यांकन का अभिप्राय पहले से चल रही योजना को जारी रखा जाए या नहीं का निर्णय लेना होता है। इसके अतिरिक्त अनेक वैकल्पिक कार्यक्रमों में से किसको जारी रखा जाए और किसको छोड़ दिया जाए इस उद्देश्य की प्राप्ति योगात्मक मूल्यांकन द्वारा की जाती है। उदाहरणार्थ, यदि एक अध्यापक को अपने छात्रों को किसी विषय के लिए कोई पुस्तक बतानी है और वह उस विषय पर उपलब्ध अनेक पुस्तकों में से मूल्यांकन कर कोई एक पुस्तक उन्हें बताता है तो शिक्षक का यह मूल्यांकन योगात्मक मूल्यांकन कहलायेगा।

Scanned with CamScanner

प्रमापीकृत परीक्षण	अध्यापक - निर्मित परीक्षण
(1) व्यक्तियों या समूहों के ज्ञानोपार्जन की तुलना करने में।	(1) यह जानने के लिए कि शिक्षा की विशिष्ट इकाई का विद्यार्थी ने उपार्जन किया है।
(2) ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञानोपार्जन की तुलना करने में।	(2) यह जानने के लिए कि किस सीमा तक शिक्षा के विशिष्ट उद्देश्यों को पूरा कर लिया गया है।
(3) विभिन्न कक्षाओं एवं विद्यालय की तुलना करने में।	(3) विद्यार्थियों का उनके ज्ञानोपार्जन के आधार पर श्रेणीकरण करने के लिए।

Scanned with CamScanner